

नेपाल धितोपत्र बोर्ड

जावलाखेल, ललितपुर।

धितोपत्र बजारको वर्तमान अवस्थाबारे जानकारी

पत्रकार भेटघाट कार्यक्रम (मिति: २०७६।१।०१, दिउसो १:३० बजे)

१. प्राथमिक बजारको अवस्था

- आ.व. २०७६।७७ को प्रथम छ महिनाको धितोपत्रको प्राथमिक बजारको अवस्था मिश्रित रहेको देखिन्छ। यस अवधिमा बोर्डबाट १६ संगठित संस्थाले २० अर्ब रुपैयाँ बराबरको सार्वजनिक निष्काशन अनुमति प्राप्त गरेका छन् जुन अधिल्लो आ.व.को सोही अवधिको तुलनामा २१.२ प्रतिशतको वृद्धि हो।
- समीक्षा अवधिमा सार्वजनिक निष्काशन अनुमतिप्राप्त रकम मध्ये रु. १६.५ अर्ब रुपैयाँ (कुल रकमको करिव ८३ प्रतिशत) ऋणपत्र निष्काशनले ओगटेको छ। नेपाल राष्ट्र बैंकले क वर्गका बैंकलाई चुक्ता पूँजीको २५ प्रतिशत ऋणपत्र निष्काशन गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेसँगै समीक्षा अवधिमा प्राथमिक बजारमार्फत ऋणपत्र निष्काशनमा वृद्धि देखिएको छ।
- यस अवधिमा प्रारम्भिक सार्वजनिक निष्काशनतर्फ भने गिरावट आएको छ। समीक्षा अवधिमा एक जलविद्युत कम्पनीले करिव ३३ करोड ५१ लाख रुपैयाँ बराबरको निष्काशन अनुमति प्राप्त गरेकोमा सर्वसाधारणमा केवल सात करोड रुपैयाँ (२१ प्रतिशत) मात्र विक्री भएको थियो। अधिल्लो आ.व.को सोही अवधिमा प्रारम्भिक सार्वजनिक निष्काशनतर्फ नौ जलविद्युत कम्पनी र दुई लघुवित गरी कुल ११ संगठित संस्थाले ३ अर्ब ६० करोड रुपैयाँ बराबरको निष्काशन अनुमति प्राप्त गरेका र सबै धितोपत्र सर्वसाधारणले खरिद गरेको देखिन्छ।
- बीमा तथा लघुवित कम्पनीहरूले हकप्रद शेयर निष्काशनमार्फत पूँजी वृद्धि गरेसँगै समीक्षा अवधिमा हकप्रद निष्काशनमा बढोत्तरी आएको छ। यस अवधिमा सात सूचीकृत कम्पनीले रु. २.२ अर्ब बराबरको हकप्रद निष्काशनका लागि अनुमति पाएका छन् जुन गत वर्षको सोही समयावधिको तुलनामा करिव ७० प्रतिशतको वृद्धि हो।
- बोनस शेयर दर्तातर्फ समीक्षा अवधिमा ३७ संगठित संस्थाले ११ अर्ब ६० करोड रुपैयाँ बराबरको बोनस शेयर दर्ता गरेका छन् जुन अधिल्लो आ.व.को सोही अवधिको ८ अर्ब ६० करोड बोनस शेयर दर्ताको तुलनामा ३४.९ प्रतिशतको वृद्धि हो। बोनस शेयर निष्काशन गर्ने सूचिकृत संगठित संस्थातर्फ बैंक, वित्तीय संस्था तथा बीमा कम्पनीको बाहुल्यता रहेको छ। धितोपत्रको प्राथमिक बजारको अवस्था तालिका-१ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका-१

धितोपत्रको प्राथमिक बजार

(आ.व. २०७६।७७ को प्रथम ६ महिनामा आधारित)

| क्रस | विवरण | प्रार्थक वर्ष | | | | | | परिवर्तन प्रतिशत | | | |
|-----------|---------------------|---|------|--------|-----------------|--------|------|------------------|---------|---------|---------|
| | | प्रथम ६ महिनामा आधारित (रकम रु. अर्बमा) | | | संख्याको आधारमा | | | रकमको आधारमा | | | |
| | | संख्या | रकम | संख्या | रकम | संख्या | रकम | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७५/७६ | २०७६/७७ |
| १ | प्रारम्भिक निष्काशन | ९ | २.९ | ११ | ३.६ | १ | ०.३ | २२.२ | (९०.९) | २४.१ | (९१.७) |
| २ | हकप्रद निष्काशन | ३० | १७.५ | ८ | १.३ | ७ | २.२ | (७३.३) | (१२.५) | ९२.६ | ६९.२ |
| ३ | थप निष्काशन | ३ | २.७ | - | - | - | - | - | - | - | - |
| ४ | ऋणपत्र | १ | ३.० | ५ | ११.६ | ७ | १६.५ | ४००.० | ४०.० | २८६.७ | ४२.२ |
| ५ | स्युचुबल फण्ड | ४ | ४.८ | - | - | १ | १.० | - | - | - | - |
| जम्मा | | ४७ | ३०.९ | २४ | १६.५ | १६ | २०.० | (४८.९) | (३३.३) | (४६.६) | २१.२ |
| बोनस शेयर | | ३० | ७.५ | ३१ | ८.६ | ३७ | ११.६ | ३.३ | १६.१ | १९.४ | ३४.९ |

२. दोस्रो बजारको अवस्था

- नेपेमा सूचीकृत कम्पनीको संख्यामा वृद्धि आएको छ। चालु आ.व. को प्रथम छ महिनामा उक्त संख्या २१२ पुगेको छ भने सूचीकृत धितोपत्रको आपूर्तिमा पनि करिब २१ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।
- समीक्षा अवधिमा कुल रु. ३२.५१ अर्ब बराबरको धितोपत्रको कारोबार भएको छ जुन गत वर्षको सोही अवधिको तुलनामा २.८ प्रतिशतले कम हो। यस अवधिमा १०० दिन कारोबार हुँदा औसत दैनिक कारोबार रकम रु. ३२.५ करोड रहेको छ।

- चालु आ.व.को पुष मसान्तमा धितोपत्र बजारको कुल बजार पूँजीकरणमा वृद्धि भएको छ। यस अवधिमा उक्त पूँजीकरण रु. १६१० अर्ब रहेको छ, यस्ते फ्लोट बजार पूँजीकरणमा पनि वृद्धि आएको छ। यस अवधिमा उक्त फ्लोट बजार पूँजीकरण रु. ५३४ अर्ब रहेको छ।
- २०७६ पौष मसान्तमा नेप्से सूचकांकमा १.६ प्रतिशतको वृद्धि आई उक्त सूचकांक १२६३.३८ विन्दु कायम भएको छ भने नेप्से फ्लोट सूचकांकमा पनि २.९ प्रतिशतको वृद्धि आई ८९.३५ विन्दु कायम भएको छ। गत आ.व.को पुष मसान्तमा दुवै सूचकांक क्रमशः ११५४.१२ र ८५.९८ विन्दु कायम भएको थियो।
- धितोपत्र बजारमा डिस्याट खाताको संख्यामा पनि क्रमशः वृद्धि हुँदै गएको छ। यस अवधिमा डिस्याट खाताको संख्या १६ लाख ७ हजार ६ सय पाँच पुगिसकेको छ।
- हाल दोस्रो बजारमा संस्थागत ऋणपत्रको समेत अनलाइन कारोबार हुन थालेको छ भने ओटिसी बजारमा हुने कारोबार पनि सकारात्मक रहेको देखिन्छ।

धितोपत्रको दोस्रो बजारको अवस्था तालिका-२ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका २
धितोपत्रको दोस्रो बजारको अवस्था
(प्रथम पाँच महिना अर्थात मंसिर मसान्तमा आधारित)

| क्रस | विवरण | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | परिवर्तन प्रतिशत | |
|------|---|-------------|-------------|---------|---------|------------------|---------|
| | | | २०७४/७५ | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७५/७६ | २०७६/७७ |
| १ | सूचीकृत कम्पनीको संख्या | संख्या | १९४ | १९८ | २१२ | २.१ | ७.१ |
| २ | सूचीकृत धितोपत्रको संख्या | संख्या करोड | ३१७.१४ | ३७२.०२ | ४४८.६८ | १७.३ | २०.६ |
| ३ | धितोपत्रको कारोबार (रु. अर्बमा) | रु. अर्ब | ६२.४१ | ३३.४५ | ३२.५१ | -४६.४ | -२.८ |
| ४ | कारोबार दिन | दिन | ९४ | १०० | १०० | ६.४ | ०.० |
| ५ | औसत दैनिक कारोबार रकम (रु. करोडमा) | रु. करोड | ६६.४ | ३१.३ | ३२.५ | -५२.९ | ३.८ |
| ६ | कारोबार भएको कूल शेयर संख्या (करोडमा) | संख्या करोड | १४.३७ | १२.३७ | ११.८७ | -१३.९ | -४.० |
| ७ | कारोबार संख्या | संख्या | ६०२,०४९ | ४२३,०६२ | ५९६,५४९ | -२९.७ | ४१.० |
| ८ | सूचीकृत धितोपत्रको बजार पूँजीकरण (रु. अर्बमा) | रु. अर्ब | १७६७.५६ | १३७०.३६ | १४६६.०५ | -२२.५ | ७.० |
| ९ | फ्लोट बजार पूँजीकरण (रु. अर्बमा) | रु. अर्ब | ५९१.७४ | ४७६.३६ | ५३४.०६ | -१९.५ | १२.१ |
| १० | बजार पूँजीकरणमा कारोबारको प्रतिशत | प्रतिशत | ८.५ | ५.९ | ५.३ | -३०.९ | -९.२ |
| ११ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा बजार पूँजीकरणको प्रतिशत | प्रतिशत | ६६.०९ | ४५.२१ | ४२.३२ | -३१.६ | -६.४ |
| १२ | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा फ्लोट पूँजीकरणको प्रतिशत | प्रतिशत | २२.१३ | १५.७२ | १५.४२ | -२९.० | -१.९ |
| १३ | नेप्से सुचकांक | विन्दु | १५२०.१५ | ११३५.९५ | ११५४.१२ | -२५.३ | १.६ |
| १४ | नेप्से सेन्सिटिभ सुचकांक | विन्दु | ३२०.६५ | २५०.०७ | २५३.५३ | -२२.० | १.४ |
| १५ | नेप्से फ्लोट सुचकांक | विन्दु | १०८.८९ | ८३.५७ | ८५.९८ | -२३.३ | २.९ |

३ बजार सहभागीको अवस्था

२०७६ पौषसम्म बोर्डको नियमन दायराभित्र २३० संस्थाहरु रहेका छन् जसको विस्तृत विवरण तालिका-३ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ३

धितोपत्र बजारमा बजार सहभागीको संख्यात्मक अवस्था

| क्र.स. | बजार सहभागी | आ. व | | | परिवर्तन प्रतिशत | |
|--------|--------------------------|---------|---------|-------------|------------------|-------------|
| | | २०७४/७५ | २०७५/७६ | २०७६/७७ पौष | २०७५/७६ | २०७६/७७ पौष |
| १ | स्टक एक्सचेन्ज | १ | १ | १ | ०.० | ०.० |
| २ | केन्द्रीय निक्षेप कम्पनी | १ | १ | १ | ०.० | ०.० |
| ३ | धितोपत्र दलाल | ५० | ५० | ५० | ०.० | ०.० |
| ४ | मर्चेन्ट बैंकर | २५ | ३० | ३१ | २० | ३.३ |
| ५ | निक्षेप सदस्य | ७० | ७२ | ७५ | २.९ | ४.२ |
| ६ | आस्वा सहभागी | ६५ | ६३ | ५९ | (३.१) | (६.३) |
| ७ | सामूहिक लगानी कोष | ११ | ११ | ११ | ० | ० |
| ८ | क्रेडिट रेटिङ संस्था | २ | २ | २ | ० | ० |
| जम्मा | | २२५ | २३० | २३० | २.२ | ० |

४. अर्धवार्षिक समीक्षा

- पूँजी बजारमा देखिएका समस्याहरुको समाधानका लागि नेपाल सरकारले गठन गरेको समितिले दिएका ५८ बुँदे सुझावहरुमध्ये बोर्डसँग सम्बन्धित सुझावहरुमध्ये करिब ६८ प्रतिशत सुझावको कार्यान्वयन बोर्डले सम्पन्न गरिसकेको छ भने अन्य बाँकी सुझावहरु सम्पन्न हुने क्रममा रहेको,
- नेपाल धितोपत्र बोर्ड सूचना प्रविधि नीति, २०७६ जारी गरिएको,
- धितोपत्र दर्ता तथा निष्काशन नियमावली, २०७३ मा बुक विलिङ्ग विधिमार्फत् सार्वजनिक निष्काशन गर्न सक्ने, हकप्रद शेयर निष्काशनलाई थप प्रभावकारी बनाउने लगायतका व्यवस्था समावेश गरी नियमावली संशोधनका लागि नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिएको,
- धितोपत्र दर्ता तथा निष्काशन, सामूहिक लगानी कोष, क्रेडिट रेटिङ, मर्चेन्ट बैंकर तथा धितोपत्र दलाल व्यवसायीसम्बन्धी नियमावलीहरु संशोधनका लागि नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिएको,
- भित्री कारोबार निषेध सम्बन्धी नियमावली, २०७६ को मस्यौदा स्वीकृतिका लागि नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिएको,
- २०७६ श्रावणबाट लगानीकर्ता प्रत्यक्ष संवाद रेडियो कार्यक्रम हरेक महिनाको दुई पटक सञ्चालन गर्दै आएको,
- २०७६ असारबाट ऋणपत्रको दोस्रो बजार विद्युतीय प्रणालीमार्फत् कारोबार शुरू भएको,
- पूँजीगत लाभकर गणनालाई थप सरल र सहज बनाउने क्रममा लगानीकर्ता स्वयंले सिडिएससिको वेबसाइटमार्फत् आधार मूल्य प्रविष्ट गरी पेश गर्न सकिने व्यवस्था भएको,
- २१ धितोपत्र दलाल व्यवसायीहरुले मार्जिन कारोबार गर्न अनुमति प्राप्त गरेकोमा हालसम्म ३ वटामार्फत् मार्जिन कारोबार सेवा शुरू भैसकेको,
- खुलामुखी सामूहिक लगानी कोष संचालनमा आएको,
- विशिष्टिकृत लगानी कोष नियमावली, २०७५ लागू गरिएकोमा उक्त कोष संचालनका लागि अनुमति प्राप्त गर्न पाँच निवेदन प्राप्त भई सो को अध्ययन भैरहेको,
- कमोडिटि बजार संचालनका गर्न पूर्व स्वीकृतिका लागि मापदण्ड तयार गरिएको र प्राप्त छ वटा निवेदनहरुको अध्ययन भैरहेको,
- ट्राई ऐनको मस्यौदा तथा दोस्रो बजारमा हुने धितोपत्रको कारोबारमा लाग्ने लागतका सम्बन्धमा अध्ययन भैरहेको ।